DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

22 July, 2024

संसद के सत्र

संदर्भ: *संसद का मानसून सत्र आज से शुरू होने वाला है, क्योंकि मौजूदा सरकार साल के बचे हुए समय के लिए बजट पेश करेगी।*

➢ **भारतीय संसद के सत्र का अर्थ**

- "भारतीय संसद का सत्र" वह समय होता है जब दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) विधायी कार्य करने के लिए बुलाए जाते हैं।
- ये सत्र निर्वाचित प्रतिनिधियों को देश के शासन और विकास को प्रभावित करने वाले कानूनों पर बहस, चर्चा और पारित करने की अनुमति देते हैं।
- सत्र भारतीय संविधान और संसदीय नियमों द्वारा शासित होते हैं।

➢ **भारतीय संसद के सत्रों के प्रकार:**

- भारत में कोई निश्चित संसदीय कैलेंडर नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 85 में यह अनिवार्य किया गया है:
- राष्ट्रपति प्रत्येक सदन को उचित समय और स्थान पर बैठक के लिए बुलाता है।
- दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतराल छह महीने से अधिक नहीं हो सकता।
- राष्ट्रपति सदनों को स्थगित कर सकता है या लोकसभा को भंग कर सकता है।
- सामान्यतः , प्रत्येक वर्ष तीन सत्र होते हैं:
- **बजट सत्र**
  - सबसे लंबा और सबसे महत्वपूर्ण सत्र केंद्रीय बजट की प्रस्तुति और पारित करने पर केंद्रित होता है।
  - आमतौर पर फरवरी से मई तक आयोजित किया जाता है।
- **मानसून सत्र**
  - मानसून के मौसम के साथ मेल खाने के कारण इसका नाम रखा गया है, जो विधायी कार्य और राष्ट्रीय मुद्दों पर केंद्रित है।
  - आमतौर पर जुलाई से सितंबर तक आयोजित किया जाता है।
- **शीतकालीन सत्र**
  - तत्काल विधायी मामलों और विधेयकों पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - आमतौर पर नवंबर से दिसंबर तक आयोजित किया जाता है।
  - विशेष सत्र: राष्ट्रपति द्वारा तत्काल या असाधारण मामलों के लिए बुलाया जाता है।

➢ **भारतीय संसद के सत्रों के घटक:**

- **बैठकें**: एक सत्र में कई बैठकें होती हैं, जिनमें से प्रत्येक एक दिन तक चलती है।
  - **सुबह की बैठक:** सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक
  - **दोपहर के भोजन के बाद की बैठक:** दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक

➢ **संसद के सत्रों के दौरान उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाएँ:**

- **आहूतियाँ:**
  - राष्ट्रपति संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति की सिफारिश के आधार पर दोनों सदनों को आहूत करते हैं।
  - दो सत्रों के बीच अधिकतम अंतराल छह महीने से अधिक नहीं हो सकता।
- **स्थगन:**
  - किसी बैठक में कार्य का एक निश्चित समय (घण्टे, दिन या सप्ताह) के लिए निलम्बित होना।
  - अनिश्चित काल के लिए स्थगन: पुनः बैठक के लिए निर्दिष्ट तिथि के बिना बैठक की समाप्ति।

➢ **सत्रावसान:**

- भारत के राष्ट्रपति द्वारा सत्र का औपचारिक समापन।
- सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया जाता है और राष्ट्रपति सत्रावसान अधिसूचना जारी करता है।
- **अवकाश:** सदन के सत्रावसान और नए सत्र में उसके पुनः बैठक के बीच की अवधि।

➢ **विघटन:**

- लोकसभा की औपचारिक समाप्ति, जिसके परिणामस्वरूप चुनाव के बाद नए सदन का गठन होता है।
- राज्य सभा, एक स्थायी सदन होने के कारण, विघटन के अधीन नहीं है।
- लोकसभा के विघटन पर विधेयकों के व्यपगत होने के संबंध में नियम

➢ **व्यपगत होने वाले विधेयक:**

- लोकसभा में लंबित विधेयक।
- लोकसभा द्वारा पारित लेकिन राज्य सभा में लंबित विधेयक।
- दोनों सदनों द्वारा पारित नहीं किए गए और संयुक्त बैठक की आवश्यकता वाले विधेयक।

➢ **विधेयक जो समाप्त नहीं होते:**

- राज्यसभा में लंबित विधेयक लेकिन लोकसभा द्वारा पारित नहीं किए गए।
- दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक लेकिन राष्ट्रपति की स्वीकृति या पुनर्विचार के लिए लंबित।
- **गणपूर्ति:** सदन के कामकाज के लिए आवश्यक न्यूनतम सदस्य संख्या:
- **लोकसभा:** 55 सदस्य (545 सदस्यों का 1/10वां हिस्सा)।
- **राज्यसभा:** 25 सदस्य (250 सदस्यों का 1/10वां हिस्सा)।
- यदि कोरम मौजूद नहीं है तो पीठासीन अधिकारी को बैठक स्थगित या निलंबित करनी चाहिए।

भारतीय मूल के पेटेंट आवेदन विश्व में अग्रणी

संदर्भ: *वित्त वर्ष 24 में, घरेलू पेटेंट आवेदनों ने पहली बार विदेशी आवेदनों को पीछे छोड़ दिया है, जो रसायन, फार्मा, कंप्यूटर विज्ञान और आईटी क्षेत्रों में वृद्धि के कारण है।*

➢ **विदेशी पेटेंट प्रभुत्व**

- विदेशी संस्थाओं के पास भारत में दिए गए पेटेंट का एक प्रमुख हिस्सा है, जो लगभग दो-तिहाई अनुमोदनों के लिए जिम्मेदार है।
- शीर्ष वैश्विक आईटी कंपनियाँ पेटेंट अनुमोदन में सबसे आगे हैं, जिनकी भारत में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।
- घरेलू पेटेंट आवेदनों में वृद्धि के बावजूद, विदेशी संस्थाएँ अभी भी 70% से अधिक अंतिम पेटेंट मंजूरी प्राप्त करती हैं।

➢ **भारतीय अनुसंधान एवं विकास पर प्रभाव**

- घरेलू और विदेशी पेटेंट धारकों के बीच असमानता भारत की अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं में अक्षमताओं को उजागर करती है।
- कमजोर निजी निवेश और स्थिर सरकारी खर्च अनुसंधान एवं विकास गतिविधि को कम करने में योगदान करते हैं।
- भारतीय विनिर्माण आयातित मशीनरी और विदेशी तकनीशियनों पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

➢ **वैश्विक पेटेंट की तुलना**

- भारत की विदेशी पेटेंट स्वीकृति दर 2022 में 74.46% के साथ विश्व स्तर पर सबसे अधिक है।
- इसकी तुलना में, चीन जैसे देशों में विदेशी पेटेंट स्वीकृति दर बहुत कम है।
- उच्च R&D खर्च करने वाले देशों में विदेशी पेटेंट की हिस्सेदारी कम है, जैसे, जापान (22.98%) और दक्षिण कोरिया (26.61%)।

➢ **पेटेंट दाखिल करने के रुझान**

- पेटेंट स्वीकृति अनुसंधान और विकास (R&D) गतिविधियों को दर्शाती है और विदेशी संस्थाओं की ओर झुकी हुई है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- घरेलू पेटेंट आवेदनों में वृद्धि वित्त वर्ष 19 में 34% से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 53% हो गई है।
- हालांकि, घरेलू पेटेंट स्वीकृति अभी तक आवेदनों में वृद्धि से मेल नहीं खाती है।

➢ **पेटेंट प्रणाली में चुनौतियाँ**

- भारत में पेटेंट आवेदनों की गुणवत्ता और पेटेंट परीक्षकों की संख्या स्वीकृति दरों को प्रभावित करती है।
- भारत में अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम पेटेंट परीक्षक हैं, जो पेटेंट स्वीकृति प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।

➢ **पेटेंट दाखिल करने में बदलाव**

- 2020 से, घरेलू पेटेंट दाखिल करने की दिशा में बदलाव हुआ है।
- इस प्रवृत्ति से भविष्य के पेटेंट अनुदानों पर असर पड़ने की उम्मीद है, जो घरेलू पेटेंट आवेदनों में सुधार को दर्शाता है।

➢ **आईपी निर्माण का विकास**

- एक बैक ऑफिस के रूप में भारत की भूमिका विकसित हुई है, लेकिन भारतीय फर्मों द्वारा मूल आईपी निर्माण सीमित बना हुआ है।
- सरकार विभिन्न प्रोत्साहनों के माध्यम से आईपी निर्माण को बढ़ावा दे रही है, खासकर सेमीकंडक्टर उद्योग में।

➢ **आरएंडडी खर्च में स्थिरता:**

- जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का आरएंडडी खर्च स्थिर हो गया है और वैश्विक औसत से कम है।
- कम आरएंडडी खर्च कमजोर निजी निवेश और आयातित तकनीक पर निर्भरता को दर्शाता है।
- तुलनात्मक रूप से, उच्च आरएंडडी खर्च वाले अन्य देशों में विदेशी पेटेंट की हिस्सेदारी कम है और घरेलू नवाचार मजबूत है।

यू-विन

संदर्भ: *सरकार की 100-दिवसीय स्वास्थ्य योजना में यू-विन का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ शामिल है, जो CoWIN की तरह ही बचपन के टीकाकरण के प्रबंधन के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है।*

➢ **परिभाषा:** यू-विन बचपन के टीकाकरण के लिए एक ऑनलाइन वैक्सीन प्रबंधन प्लेटफ़ॉर्म है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान इस्तेमाल की गई CoWIN प्रणाली के समान है।

➢ **यू-विन कैसे काम करता है ?**

- **पंजीकरण**: छह साल तक के बच्चों और गर्भवती माताओं को सरकारी आईडी (जैसे आधार) और मोबाइल नंबर का उपयोग करके पंजीकृत किया जाता है।
- **टीकाकरण रिकॉर्ड**: सभी 25 बचपन के टीकों और गर्भवती माताओं के लिए दो टीकों के रिकॉर्ड प्लेटफ़ॉर्म पर जोड़े जाते हैं।
- **टीकाकरण प्रमाणपत्र:** एक रंग-कोडित टीकाकरण प्रमाणपत्र तैयार किया जाता है, जिसमें प्रशासित टीके, उनकी तिथियाँ और आगामी खुराकें दिखाई जाती हैं।
- **अनुस्मारक:** अगली खुराक की नियत तिथि से पहले माता-पिता को एसएमएस अनुस्मारक भेजे जाते हैं।
- **डिजिटल प्रमाणपत्र**: माता-पिता डिजिटल वैक्सीन प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं, जिससे भौतिक पुस्तिका की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और देश में कहीं भी टीकाकरण संभव हो जाता है।
- **टीकाकरण केंद्र:** U-WIN निकटतम टीकाकरण केंद्र का पता लगाने और स्लॉट बुक करने में मदद करता है।
- **स्वास्थ्य कार्यकर्ता लाभ:** यह प्लेटफ़ॉर्म स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए ड्यू-लिस्ट तैयार करता है और अंततः टीकाकरण डेटा में सूक्ष्म रुझानों के विश्लेषण की अनुमति देगा।

➢ **अन्य प्रणालियों के साथ एकीकरण**

- **eVIN प्लेटफ़ॉर्म**: U-WIN को eVIN से जोड़ा जाएगा, जो वैक्सीन इन्वेंट्री का प्रबंधन करता है और भंडारण की स्थिति की निगरानी करता है।
- **ABHA ID:** U-WIN डेटा व्यापक स्वास्थ्य रिकॉर्ड एकीकरण के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA) ID से जुड़ेगा।

➢ **U-WIN के लाभ**

- **बेहतर अनुपालन**: स्वचालित अनुस्मारक टीकाकरण अनुपालन को बढ़ावा देते हैं।
- **पोर्टेबिलिटी**: स्थानांतरित होने वाले बच्चों के लिए टीकाकरण निरंतरता बनाए रखता है, प्रवासी परिवारों का समर्थन करता है।
- **त्रुटि में कमी**: गलत या समय से पहले खुराक की रिकॉर्डिंग को रोकता है।
- **बारीक डेटा**: बेहतर जानकारी के लिए विस्तृत व्यक्तिगत टीकाकरण रिकॉर्ड प्रदान करता है।
- **शून्य खुराक में कमी**: जन्म पंजीकरण से बिना टीकाकरण वाले बच्चों की संख्या कम हो सकती है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

निपाह वायरस

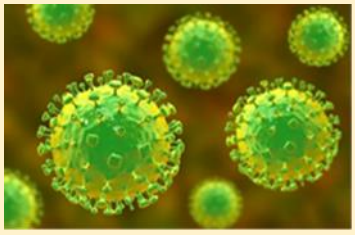

हाल ही में, केरल के मलप्पुरम जिले के एक 14 वर्षीय लड़के की मृत्यु हो गई, जिसका कोझिकोड वायरोलॉजी लैब और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे में निपाह वायरस संक्रमण की पुष्टि के बाद इलाज चल रहा था।

निपाह वायरस के बारे में:

- निपाह वायरस एक जूनोटिक वायरस है जो जानवरों से मनुष्यों में संचारित हो सकता है और यह पैरामाइक्सोविरिडे परिवार से संबंधित है।
- निपाह वायरस एक एकल-स्ट्रैंड, नकारात्मक-सेंस RNA वायरस है जिसे हेनीपावायरस जीनस के तहत वर्गीकृत किया गया है।
- इसकी संरचना में एक न्यूक्लियोकैप्सिड शामिल है जो मैट्रिक्स प्रोटीन द्वारा सुरक्षित है, साथ ही कोशिका से जुड़ने और प्रवेश करने के लिए आवश्यक प्रमुख फ्यूजन प्रोटीन और ग्लाइकोप्रोटीन शामिल हैं।
- यह वायरस पहली बार 1999 में मलेशियाई सूअर किसानों के बीच पहचाना गया था।
- इसे बाद में 2001 और 2007 में बांग्लादेश और पूर्वी भारत में और हाल के प्रकोपों में केरल में देखा गया।
- यह संक्रमित जानवरों, संक्रमित भोजन और व्यक्ति-से-व्यक्ति संपर्क के माध्यम से फैलता है।
- निपाह वायरस संक्रमण के सामान्य लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, मतली और गले में खराश शामिल हैं।
- निपाह वायरस के प्रकोप प्रायः मौसमी और क्षेत्र-विशिष्ट होते हैं। हाल के प्रकोप केरल में देखे गए हैं, जिनमें 2018 और 2023 में महत्वपूर्ण घटनाएँ शामिल हैं।
- यह वायरस कंबोडिया, घाना और थाईलैंड में भी पहचाना गया है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

22 July, 2024

चंद्रयान-2 मिशन

पांच साल पहले, 22 जुलाई को, भारत ने चंद्रयान-2 मिशन लॉन्च किया था।।

चंद्रयान-2 मिशन के बारे में:

- चंद्रयान-2 भारत का दूसरा चंद्र मिशन था, जिसे 22 जुलाई 2019 को लॉन्च किया गया था।
- मिशन को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल मार्क III (GSLV Mk III-M1) का उपयोग करके लॉन्च किया गया था।
- इसे भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का पता लगाने के लिए लॉन्च किया गया था।
- परियोजना की शुरुआत 2007 में भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और रूस की रोसकोस्मोस के बीच पारस्परिक सहयोग के समझौते के साथ हुई थी।
- मिशन में तीन मुख्य घटक शामिल थे: एक ऑर्बिटर, एक लैंडर जिसका नाम विक्रम था, और एक रोवर जिसका नाम प्रज्ञान था।
- मिशन के लक्ष्यों में चंद्रमा की स्थलाकृति, भूकंप विज्ञान, सतह की रासायनिक संरचना, शीर्ष मिट्टी की थर्मो-भौतिक विशेषताओं, चंद्र वातावरण की संरचना और ध्रुवीय क्षेत्रों में खनिजों, पानी के अणुओं और खनिजों के वितरण का अध्ययन शामिल था।
- चंद्रयान-3, भारत का तीसरा चंद्र मिशन और चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का दूसरा प्रयास, 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित हुआ।

पिरासिकाबा नदी

हाल ही में, एक ड्रोन ने साओ पाउलो, ब्राजील के पिरासिकाबा नदी के तकुआ पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में गंभीर प्रदूषण के कारण हजारों मरी हुई मछलियों की फुटेज (तस्वीरें) कैप्चर की।

पिरासिकाबा नदी के बारे में:

- पिरासिकाबा नदी दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के साओ पाउलो राज्य में एक नदी है।
- यह अटिबाइया और जगुआरी नदियों के संगम से उत्पन्न होती है।
- यह टिएटे नदी की एक सहायक नदी है, जो बर्रा बोनिता डैम जलाशय में मिलती है।
- इस नदी बेसिन का विस्तार 12,531 वर्ग किलोमीटर में होता है, जो साओ पाउलो के 57 नगरपालिकाओं और मिनस गैरैस के चार नगरपालिकाओं को कवर करता है।
- इसे छोटे स्टीमरों द्वारा नेविगेशन और कॉफी तथा गन्ना खेतों के लिए पानी की आपूर्ति के लिए उपयोग किया गया है।

डायसन स्फीयर

डायसन स्फीयर के बारे में::

- डायसन स्फीयर एक काल्पनिक मेगास्ट्रक्चर है जो एक तारे को घेरता है और उसके सौर ऊर्जा उत्पादन के एक बड़े हिस्से को कैप्चर करता है।
- डायसन स्फीयर की अवधारणा पहली बार खगोलशास्त्री फ्रीमैन डायसन द्वारा 1959 में प्रस्तावित की गई थी, जो भविष्य में पृथ्वी के अधिक उन्नत वंशजों की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए एक सैद्धांतिक समाधान के रूप में थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य एक अत्यधिक उन्नत सभ्यता की विशाल ऊर्जा मांगों को पूरा करना है, जो तारे की विकिरण शक्ति का उपयोग करता है।
- मई 2023 में, वैज्ञानिकों ने 1,000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर 5 मिलियन तारों का अध्ययन जिससे डायसन स्फीयर के संकेतों की खोज की जा सके।
- अध्ययन में सात तारों की पहचान की गई जिनमें अप्रकाशित अवरक्त विकिरण उत्सर्जन था।
- डायसन स्फीयर की अवधारणा उन्नत प्रौद्योगिकी और सभ्यताओं की विशाल ऊर्जा आवश्यकताओं को प्रकट करती है, अवरक्त विकिरण का अध्ययन करके परग्रही जीवन का पता लगाने को बढ़ावा देती है, और ऐसे मेगास्ट्रक्चर के निर्माण और पता लगाने की जटिलताओं को रेखांकित करती है।

सुर्खियों में स्थल

लाओस

दक्षिण पूर्व एशियाई देश में भारतीय दूतावास ने बताया कि लाओस में साइबर स्कैमिंग केंद्रों में फंसे तेरह भारतीयों को बचाकर घर भेज दिया गया है।

लाओस (राजधानी: वियनतियाने)

- स्थिति: लाओस, आधिकारिक रूप से लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के रूप में जाना जाता है यह दक्षिण पूर्व एशिया का एकमात्र स्थल-रुद्ध देश है।
- राजनीतिक सीमाएँ: लाओस की सीमाएँ पूर्व और उत्तर-पूर्व में वियतनाम, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में थाईलैंड, उत्तर में चीन, उत्तर-पश्चिम में म्यांमार और दक्षिण में कंबोडिया से मिलती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- लाओस का सबसे ऊँचा बिंदु फू बिया है।
- लाओस की प्रमुख नदियों में मेकोंग नदी, जो पश्चिमी सीमा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाती है, और नाम औ नदी, मेकोंग की मुख्य सहायक नदी शामिल हैं।
- अन्नामाइट रेंज वियतनाम के साथ पूर्वी सीमा के साथ चलती है।
- लाओस में कोयला, बाक्साइट, टिन, तांबा और सोने जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधन हैं।
- लाओस की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसून है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

POINTS TO PONDER

- डेविस स्ट्रेट किन दो क्षेत्रों के बीच स्थित है? – **ग्रीनलैंड और कनाडा**
- 'एमवी सी चेंज' क्या है? – **100% हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली दुनिया की पहली वाणिज्यिक यात्री नौका**
- आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) किस मंत्रालय द्वारा प्रबंधित की जाती है? – **वित्त मंत्रालय**
- COSPAR द्वारा वैश्विक अंतरिक्ष सम्मेलन में किन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया? – **प्रहलाद चंद्र अग्रवाल और अनिल भारद्वाज**
- कौन सी राज्य सरकार अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने के लिए विशेष शिविर लगा रही है? – **राजस्थान**